05/05/2024

शामिल विषय (TOPICS COVERED)

1. तमिलनाडु के कूवगाम में कूथंडावर उत्सव (GS PAPER I: ए एंड सी)
2. क्या रॉ के विदेशी अभियान संबंधों को प्रभावित करेंगे? (5 मई) (GS PAPER II: अंतर्राष्ट्रीय संबंध, GS PAPER III: आंतरिक सुरक्षा)
3. बोइंग चालक दल अंतरिक्ष परीक्षण क्यों महत्वपूर्ण है? (5 मई) (GS PAPER III: एस एंड टी)
4. केजरीवाल तिहाड़ जेल से कैसे काम कर रहे हैं? (5 मई) (GS PAPER II: राजनीति)

तमिलनाडु के कूवगाम में कूथंडावर उत्सव (GS PAPER I: ए एंड सी)

- विल्लुपुरम से 30 किलोमीटर दूर एक छोटा सा गांव कूवगाम, ट्रांसजेंडर समारोहों के लिए एक लोकप्रिय स्थल है, जो पूरे भारत से दर्शकों को आकर्षित करता है।
- तमिल माह *चिथिरई* (मध्य अप्रैल से मध्य मई) में 18 दिवसीय कूथंडावर उत्सव मनाया जाता है, जिसके अंतिम दो दिनों में स्मरणीय समारोह आयोजित किए जाते हैं।
- इस उत्सव के लिए लगभग 50,000 लोग एकत्रित होते हैं, यह वह समय है जब स्थानीय उद्यम फलते-फूलते हैं। बड़े शहरों में काम करने वाले गांव के निवासी फूलों की दुकानें, चूड़ियों की दुकानें, बुटीक और खाने-पीने की दुकानें जैसे छोटे-मोटे व्यवसाय चलाने के लिए वापस आते हैं।
- ***थाली* (पवित्र पीला धागा)** बनाने में लगे रहते हैं क्योंकि यह त्यौहार का प्रमुख हिस्सा है।
- महाभारत के तमिल संस्करण में, अरावन नामक एक पात्र ने युद्ध में पांडवों की विजय के लिए स्वयं का बलिदान दे दिया था।
- ऐसा कहा जाता है कि बलिदान से पहले उन्हें विवाह का वरदान प्राप्त था, लेकिन कोई भी स्त्री उनसे विवाह नहीं करना चाहती थी, क्योंकि ऐसा करने पर उन्हें विधवा होना पड़ता।
- आखिरकार, ऐसा कहा जाता है कि भगवान कृष्ण ने मोहिनी का रूप धारण करके अरावन से विवाह किया था। किंवदंती है कि भगवान कृष्ण ने अरावन की विधवा के रूप में शोक मनाया था।
- कूवागम में, अनुष्ठान किंवदंती का पता लगाते हैं। 17वें दिन ट्रांसजेंडर महिलाएं दुल्हन की तरह सजती हैं और कूथंडावर मंदिर के पुजारी उनके लिए *थाली बांधते हैं।*
- अंतिम दिन, कूथंडावर मूर्ति के कुछ हिस्सों को तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों से लाया जाता है और रथ पर ले जाने से पहले इकट्ठा किया जाता है।
- **रथ चलते समय** ट्रांसजेंडर महिलाएं एकत्रित होती हैं और ***कुम्मी नृत्य करती हैं***। इसके बाद भीड़ कुछ किलोमीटर तक *नाथम की यात्रा करती है*, जहां पुजारी ट्रांसजेंडर महिलाओं की चूड़ियां तोड़ते हैं और *थाली काटते हैं*।
- उनके पति भगवान कूथंडावर का निधन हो गया है और वे दुख में रो रहे हैं। ट्रांसजेंडर महिलाएं माथे पर लाल हल्दी के निशान को मिटाती हैं *और* सफेद साड़ी पहनती हैं।
- एक ट्रांसजेंडर महिला ने अपने निजी जीवन की तुलना कूवगाम में होने वाले वार्षिक कार्यक्रम से की। "हमारा जीवन एक दिन सुरक्षित और खुशहाल होता है, और फिर अगले दिन यह विनाशकारी हो जाता है। यह एक धागे से लटका हुआ है," उसने कहा।

PoliticIAS

क्या रॉ के विदेशी अभियान संबंधों को प्रभावित करेंगे? (5 मई) (GS PAPER II: अंतर्राष्ट्रीय संबंध, GS PAPER III: आंतरिक सुरक्षा)

- भारत की विदेशी खुफिया एजेंसी रॉ, जिसे रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के नाम से भी जाना जाता है, इस सप्ताह सुर्खियों में रही।
- **अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान** सहित विभिन्न देशों से रिपोर्टें सामने आईं।
- रिपोर्टों में आरोप लगाया गया कि रॉ ने **विश्व स्तर पर भारतीय मूल के खालिस्तानी अलगाववादी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया और उनकी हत्या की।**
- एजेंसी कथित तौर पर इन कार्रवाइयों का नेतृत्व कर रही थी।

आरोप क्या हैं?

- भारत की विदेशी खुफिया एजेंसी रॉ पर **दुनिया भर में भारतीय मूल के खालिस्तानी अलगाववादी गुर्गों को निशाना बनाकर उनकी हत्या करने के आरोप लगाए गए हैं।**
- इन आरोपों को अभी अदालत में साबित किया जाना बाकी है तथा इसके लिए कई देशों में जांच चल रही है।
- वाशिंगटन पोस्ट ने आरोप लगाया है कि **रॉ के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल** खालिस्तानी कार्यकर्ता वकील **गुरपतवंत सिंह पन्नू** के खिलाफ हत्या अभियान को मंजूरी दी , जो **भारत की सर्वाधिक वांछित यूएपीए आतंकवादी सूची में है।**
- **विक्रम यादव** नामक एक सुरक्षा अधिकारी , ऐसा माना जाता है कि वह रॉ से जुड़ा हुआ था, इसका उल्लेख किया गया था, जिसमें अमेरिकी अधिकारियों ने चर्चा की थी कि हिटमैन को आदेश देने के लिए उसे दोषी ठहराया जाए या नहीं।
- **हरदीप सिंह निज्जर** की हत्या से पहले कनाडा में एक खालिस्तानी कार्यकर्ता पर हमले का आदेश देने के बारे में पूछताछ का संकेत दिया गया था। जून 2023 में.
- रॉयल **कैनेडियन माउंटेड पुलिस** निज्जर की हत्या की साजिश रचने के आरोप में तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया और उन पर आरोप लगाया गया और वे भारत सरकार के अधिकारियों से संबंधों की जांच कर रहे हैं।
- कनाडा के प्रधानमंत्री **जस्टिन ट्रूडो का बयान** भारतीय एजेंसियों से संबंध होने का सुझाव देने से कनाडा और भारत के बीच कूटनीतिक तनाव पैदा हो गया, जिसके परिणामस्वरूप राजनयिकों को निष्कासित कर दिया गया।
- **ऑस्ट्रेलिया के एबीसी ने 2020 में बताया कि रॉ के गुर्गों को जासूसी गतिविधियों और खालिस्तानी अलगाववादियों की निगरानी के लिए निष्कासित कर दिया गया था।**
- पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने रॉ एजेंटों पर अपनी धरती पर न्यायेतर हत्याओं की साजिश रचने का आरोप दोहराया।
- ब्रिटेन में भारतीय खुफिया एजेंटों द्वारा खालिस्तानी अलगाववादी नेता अवतार सिंह खांडा का पीछा करने और उन्हें धमकाने के आरोप फिर से सामने आए हैं। खांडा की पिछले वर्ष जून में मृत्यु हो गई थी।

नई दिल्ली ने इस पर क्या प्रतिक्रिया दी है?

PatrioticIAS

- मंत्रालय ने लगातार इस बात से इनकार किया है कि न्यायेतर हत्याएं हुई हैं। सरकार की नीति के अनुसार, आरोपों को अनुचित और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया गया।
- हालाँकि, विभिन्न देशों से प्राप्त आरोपों पर सरकार के जवाब में विसंगतियां सामने आती हैं:
    - ऑस्ट्रेलिया के आरोपों पर भारत चुप रहा।
    - इसने कनाडा के विरुद्ध नाराजगीपूर्ण खंडन और दंडात्मक उपाय अपनाकर प्रतिक्रिया व्यक्त की।
    - अमेरिकी अभियोग के जवाब में एक **"उच्च स्तरीय जांच" स्थापित की गई।**
- प्रधानमंत्री मोदी सहित भारतीय नेताओं ने पाकिस्तान के अंदर आतंकवादियों को निशाना बनाकर चलाए जा रहे अभियानों को खुले तौर पर स्वीकार किया है और उनका समर्थन किया है।
- खालिस्तान समर्थकों के खिलाफ भारतीय अभियानों का इतिहास रहा है, जिसमें एक **जर्मन अदालत द्वारा एक भारतीय दंपति को जासूसी के लिए सजा सुनाए जाने जैसे उदाहरण शामिल हैं।** 2019 में खालिस्तानी और कश्मीरी कार्यकर्ता।
- **भारतीय अधिकारी सवाल उठाते हैं कि अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश राजनयिक मिशनों पर हमले भड़काने और भारतीय राजनयिकों को धमकाने के आरोपी मुखर खालिस्तानी कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करते हैं ।**
- वे खालिस्तानी कार्यकर्ता तलविंदर सिंह परमार के खिलाफ कार्रवाई करने से कनाडा के पिछले इनकार का हवाला देते हैं , **जिसने 1985 में एयर इंडिया बम विस्फोट की साजिश रची थी, जो सबसे भयानक आतंकवादी हमलों में से एक था जिसमें 329 लोग मारे गए थे।** परमार बाद में भारत में पंजाब पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया था।

क्या इसका कोई कूटनीतिक नतीजा होगा?

- पाकिस्तान और अब कनाडा को छोड़कर, जिन देशों में कथित ऑपरेशन हुए हैं, उनके साथ भारत के संबंध मजबूत बने हुए हैं।
- **खालिस्तान मुद्दे पर ऐतिहासिक तनाव के कारण 1973 से भारतीय प्रधानमंत्रियों की कनाडा की द्विपक्षीय यात्राएं बाधित होती रही हैं।**
- जम्मू-कश्मीर और पंजाब में सीमा पार आतंकवाद जैसे मुद्दों के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंध गंभीर रूप से तनावपूर्ण हो गए हैं।
- अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश भारत के साथ स्थिर संबंध बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कथित ऑपरेशनों की जांच जारी है।
- अमेरिकी **सरकार ने पन्नुन मामले पर बयान जारी किया है और भारत से जवाबदेही की अपेक्षा की है।**
- भारत का दौरा करने वाले अमेरिकी अधिकारियों ने तीन-चरणीय मांग रखी है: **गहन जांच, किसी भी गलत कार्य की सार्वजनिक स्वीकृति, तथा भारतीय न्यायालयों में कानूनी जवाबदेही।**
- अमेरिका में पन्नुन मामले और कनाडा में निज्जर मामले दोनों में सुनवाई प्रक्रिया महत्वपूर्ण होगी, और गुप्ता जैसे प्रमुख व्यक्तियों की गवाही अपेक्षित है।
- **अमेरिका और इजराइल जैसे अन्य देश भी न्यायेतर कार्रवाई करते हैं, लेकिन अक्सर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत आत्मरक्षा का हवाला देते हैं।**
- **खुफिया अभियानों में अनौपचारिक नियमों में मित्र देशों में अभियान चलाने से बचना, राजनयिक मिशनों से कोई संबंध न रखना तथा पता लगाने से बचना शामिल है।**

PatrioticIAS

बोइंग चालक दल अंतरिक्ष परीक्षण क्यों महत्वपूर्ण है? (5 मई) (GS PAPER III: एस एंड टी)

- 7 मई को सुबह 8:04 बजे, **एटलस वी रॉकेट** लॉन्च होगा.
- बोइंग द्वारा निर्मित **स्टारलाइनर नामक अंतरिक्ष यान** ले जाएगा ।
- अंतरिक्ष यान के अंदर दो अनुभवी अंतरिक्ष यात्री होंगे: **बैरी विल्मोर और सुनीता विलियम्स।**
- **स्टारलाइनर की तीसरी परीक्षण उड़ान** होगी लेकिन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यह पहला विमान है।
- मिशन का उद्देश्य अंतरिक्ष यात्रियों को **कम-पृथ्वी की कक्षा में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में भेजना है।**
- **अमेरिकी इतिहास में पहली बार** होगा कि दो अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने में सक्षम हैं।

बोइंग स्टारलाइनर क्या है?

- स्टारलाइनर एक अंतरिक्ष यान है जिसे अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसे रॉकेट द्वारा अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया जाता है।
- **स्टारलाइनर में दो मुख्य भाग होते हैं** : क्रू कैप्सूल और सर्विस मॉड्यूल।
- क्रू **कैप्सूल वह स्थान है जहां अंतरिक्ष यात्री यात्रा के दौरान रहते हैं** और पृथ्वी पर वापस लौटने के लिए पुनः प्रवेश कर सकते हैं।
- सर्विस **मॉड्यूल में अंतरिक्ष यात्रियों के लिए अंतरिक्ष में जीवित रहने के लिए आवश्यक उपकरण और प्रणालियाँ शामिल हैं, जैसे हवा और तापमान नियंत्रण, पानी की आपूर्ति और स्वच्छता।** इसमें अंतरिक्ष यान के संचालन के लिए इंजन और ईंधन भी शामिल हैं।
- सेवा मॉड्यूल पुनः प्रयोज्य नहीं है।
- स्टारलाइनर 4 मीटर से अधिक चौड़ा है और इसमें सात अंतरिक्ष यात्री बैठ सकते हैं।
- इसे आमतौर पर एटलस वी रॉकेट के ऊपर से प्रक्षेपित किया जाता है, जिसका संचालन **यूनाइटेड लॉन्च अलायंस द्वारा किया जाता है, जो बोइंग और लॉकहीड मार्टिन** का संयुक्त उद्यम है ।

स्टारलाइनर का कमीशन कब किया गया था?

- में , **नासा ने अंतरिक्ष यात्रियों को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक ले जाने के लिए स्पेसएक्स और बोइंग को अनुबंध दिया।**
- बोइंग के अनुबंध का मूल्य **$4.2 बिलियन था, जबकि स्पेसएक्स का $2.6 बिलियन था** ।
- बोइंग को 2017 में स्टारलाइनर का पहला क्रू लॉन्च आयोजित करने की उम्मीद थी।
- इसके बाद देरी हुई और स्टारलाइनर की पहली मानवरहित कक्षीय परीक्षण उड़ान दिसंबर 2019 में हुई।
- इस परीक्षण उड़ान के दौरान, एक सॉफ़्टवेयर त्रुटि के कारण कैप्सूल गलत कक्षा में प्रवेश कर गया, और यह आईएसएस के साथ डॉक किए बिना पृथ्वी पर लौट आया।
- मई 2022 में, बोइंग ने परीक्षण उड़ान को सफलतापूर्वक दोहराया, जिसमें आईएसएस के साथ डॉकिंग, चार दिनों के बाद अनडॉकिंग और पृथ्वी पर वापसी शामिल थी।
- 7 मई को आगामी परीक्षण इस प्रक्रिया को दोहराएगा लेकिन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ।

PatriotIAS

- 2022 में सफल परीक्षण के बावजूद, बोइंग को तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा , और COVID-19 महामारी ने देरी में और योगदान दिया।
- लॉन्च में सात साल की देरी हो गई है और बोइंग ने अपने बजट से 1.4 बिलियन डॉलर अधिक कर लिया है।

स्टारलाइनर का उद्देश्य क्या है?

- नासा अनुबंध से सम्मानित होने के बाद से, स्पेसएक्स ने अपने ड्रैगन क्रू कैप्सूल का उपयोग करके अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में 13 मिशन संचालित किए हैं।
- ड्रैगन **क्रू कैप्सूल सात अंतरिक्ष यात्रियों को समायोजित कर सकता है** ।
- यह मानते हुए कि स्टारलाइनर की चालक दल परीक्षण उड़ान सफल है, स्पेसएक्स और बोइंग बारी-बारी से अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस में लॉन्च करेंगे।
- आईएसएस में प्रत्येक दल का अभियान छह महीने तक चलता है।
- यह व्यवस्था अगले दशक में आईएसएस के बंद होने तक जारी रहेगी।
- **स्पेसएक्स का ड्रैगन कैप्सूल 2020 में चालू हो गया, रूस का सोयूज रॉकेट और कैप्सूल** अंतरिक्ष यात्रियों को आई.एस.एस. तक लाने और ले जाने का यह एकमात्र साधन था।
- **2011 में अपना अंतरिक्ष शटल कार्यक्रम** बंद कर दिया था , जिससे ड्रैगन और स्टारलाइनर जैसे वाणिज्यिक चालक वाहन उपलब्ध होने तक अंतराल बना रहा।

बोइंग के लिए क्या दांव पर लगा है?

- 2014 से **अपने वाणिज्यिक विमानों, विशेषकर 737 मैक्स 8 , के साथ गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।**
- 737 मैक्स 8 को एयरबस के A320neo से प्रतिस्पर्धा करने के लिए 2017 में पेश किया गया था।
- अक्टूबर 2018 में, एक **लायन एयर 737 मैक्स 8** उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार सभी 189 लोग मारे गए।
- मार्च 2019 में, **इथियोपियाई एयरलाइंस 737 मैक्स 8 दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सभी 157 यात्रियों और चालक दल के लोगों की जान चली गई** ।
- दोनों दुर्घटनाएं **मैक्स 8 के मैन्युवरिंग कैरेक्टरिस्टिक्स ऑग्मेंटेशन सिस्टम (एमसीएएस) की समस्याओं से जुड़ी थीं।**
- बोइंग ने MCAS को पिछले मॉडल, **737 नेक्स्ट जेनरेशन के डिज़ाइन परिवर्तनों की भरपाई के लिए डिज़ाइन किया था** , लेकिन MCAS में एक गड़बड़ी के कारण दुर्घटनाएँ हुईं।
- मैक्स 8 के लिए अतिरिक्त पायलट प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं करने के बोइंग के फैसले ने पायलटों को एमसीएएस की खराबी से निपटने में असमर्थता में योगदान दिया।
- कानूनी विवादों, क्षतिपूर्ति भुगतान और दुर्घटनाओं के बाद ऑर्डर रद्द होने से बोइंग को **60 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है** ।
- पायलटों से सुरक्षा जानकारी छुपाने सहित **मैक्स 8 के संचालन** में कटौती के लिए बोइंग की आलोचना की गई थी ।
- विभिन्न क्षेत्रों में होने के बावजूद, **बोइंग ने लागत कम करने के उद्देश्य से 2015 में बीडीएस डेवलपमेंट के तहत वाणिज्यिक एयरलाइन और अंतरिक्ष यान विकास को समेकित किया, जिसमें स्टारलाइनर परियोजना भी शामिल थी।**

PatrioticIAS

- इस पृष्ठभूमि में, 7 मई को होने वाला स्टारलाइनर का परीक्षण बोइंग और नासा के लिए महत्वपूर्ण है , क्योंकि इसकी सफलता से आत्मविश्वास बढ़ेगा, लेकिन विफलता से बोइंग की चुनौतियां बढ़ जाएंगी।

प्रकाश परीक्षण प्रोफ़ाइल क्या है ?

- स्टारलाइनर के पहले चालक दल उड़ान परीक्षण में दो अनुभवी अंतरिक्ष यात्री, श्री विल्मोर और सुश्री विलियम्स शामिल होंगे।
- अंतरिक्ष यान को एटलस वी रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया जाएगा।
- स्टारलाइनर अंतरिक्ष यात्रियों को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) ले जाएगा, जहां वे आठ दिन बिताएंगे।
- अपने मिशन के बाद, कैप्सूल पृथ्वी पर वापस आएगा और संभवतः न्यू मैक्सिको में उतरेगा।
- श्री विल्मोर ने उल्लेख किया कि **बोइंग का हवाई जहाज प्रभाग और स्टारलाइनर कार्यक्रम अलग-अलग संचालित होते हैं।**
- उन्होंने दोषरहित परीक्षण की अपेक्षा न करने की सलाह दी, क्योंकि यह वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने से पहले किसी भी अंतिम मुद्दे की पहचान करने और उसका समाधान करने का काम करता है।

तिहाड़ जेल से कैसे काम कर रहे हैं केजरीवाल? (5 मई)

(GS PAPER II: राजव्यवस्था)

- दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक अप्रैल से तिहाड़ जेल में हैं.
- उन्हें **प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था।**
- उनके खिलाफ आरोप **भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित हैं।**
- **2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति** के कार्यान्वयन से उपजे हैं , जिसे अब समाप्त कर दिया गया है।
- सर्वोच्च न्यायालय ने ईडी को आगाह किया कि वह श्री केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने पर विचार कर सकता है।
- इस विचार के पीछे कारण यह बताया गया है कि दिल्ली में 25 मई को लोकसभा चुनाव होने हैं।

आम आदमी पार्टी की रणनीति क्या है?

- दिसंबर 2023 में **आम आदमी पार्टी (आप) ने "मैं भी केजरीवाल" शीर्षक से एक अभियान चलाया।** (मैं भी केजरीवाल हूं)
- अभियान में सवाल उठाया गया कि अगर अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया जाता है तो क्या उन्हें मुख्यमंत्री बने रहना चाहिए।
- केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप ने फैसला किया कि वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे और जेल से ही सरकार चलाएंगे, और इसे "दिल्ली की जनता की इच्छा" बताया।
- इस फैसले से दिल्ली में एक अनोखी स्थिति पैदा हो गई है जहां प्रशासनिक फैसले रोक दिए गए हैं.
- उदाहरण के लिए, **दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के मेयर और डिप्टी मेयर की नियुक्ति के लिए 26 अप्रैल को होने वाला चुनाव स्थगित कर दिया गया था।**
- उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने **मुख्यमंत्री के इनपुट के बिना इसे अनुचित बताते हुए चुनाव के लिए पीठासीन अधिकारी नियुक्त करने से इनकार कर दिया।**

PatrioticIAS

क्या मुख्यमंत्री अपने मंत्रियों से मिल रहे हैं?

- 21 मार्च से 1 अप्रैल तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में रहते हुए अरविंद केजरीवाल ने अपने मंत्रियों को निर्बाध जल आपूर्ति और चिकित्सा के संबंध में लिखित निर्देश भेजे।
- उन्होंने जनता को अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल द्वारा पढ़े जाने के लिए संदेश भी भेजे।
- तिहाड़ जेल में बंद होने के बाद से संचार सीमित हो गया है।
- तिहाड़ जेल मैनुअल के अनुसार, **वस्तुओं के आदान-प्रदान को रोकने के लिए कैदियों के साथ साक्षात्कार जेल अधिकारी की उपस्थिति में होना चाहिए।**
- 1 अप्रैल से, परिवार और वकीलों के अलावा , **केजरीवाल आप महासचिव संदीप पाठक और कैबिनेट मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज से एक बार और अपने पंजाब समकक्ष भगवंत मान से दो बार मिल चुके हैं।**
- पाठक ने बताया कि केजरीवाल **हर हफ्ते दो कैबिनेट मंत्रियों से 30-30 मिनट के लिए मुलाकात करेंगे।**

सरकार कैसे चल रही है?

- अरविंद केजरीवाल के पास कोई विभाग नहीं है और उनकी गिरफ्तारी के बाद से कोई कैबिनेट बैठक नहीं हुई है।
- **तब से दिल्ली विधानसभा नहीं बुलाई गई है .**
- अलग-अलग मंत्री अपने-अपने विभागों का प्रबंधन कर रहे हैं।
- पार्टी फिलहाल अपने चुनाव अभियान पर ध्यान केंद्रित कर रही है।
- **उपराज्यपाल ने एमसीडी चुनावों को स्थगित कर दिया, यह कहते हुए कि "अजीबोगरीब" और "अभूतपूर्व" परिस्थितियां हैं, जहां कार्यरत मुख्यमंत्री अपने संवैधानिक रूप से बाध्य कार्यों को पूरा नहीं कर सकते।**
- संविधान में स्पष्ट रूप से यह उल्लेख नहीं किया गया है कि क्या कोई व्यक्ति रिमांड कैदी रहते हुए मुख्यमंत्री के पद पर बना रह सकता है।
- **जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8(3)** कानून के मुताबिक अगर कोई विधायक या सांसद दोषी पाया जाता है और उसे कम से कम दो साल की सजा सुनाई जाती है तो उसे अयोग्य घोषित किया जा सकता है। हालांकि, केजरीवाल को अभी तक इस मामले में दोषी नहीं ठहराया गया है।

राष्ट्रपति शासन कब लगाया जा सकता है?

- **संविधान के अनुच्छेद 239AB के तहत दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है।**
- दिल्ली की सत्ता संरचना में निर्वाचित सरकार और केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त उपराज्यपाल के बीच एक नाजुक संतुलन कायम है।
- यदि अरविंद केजरीवाल जेल में रहते हैं और प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालते हैं, तो उपराज्यपाल **"संवैधानिक तंत्र की विफलता" का हवाला देते हुए राष्ट्रपति से अनुच्छेद 239एबी लागू करने की सिफारिश कर सकते हैं।**
- **दिल्ली में अनुच्छेद 239एबी के तहत राष्ट्रपति शासन इससे पहले एक बार 2014 में लागू किया गया था, जब केजरीवाल ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल के मात्र 49 दिनों के बाद ही इस्तीफा दे दिया था।**

आगे क्या चुनौतियाँ हैं?

PatrioticIAS

- उच्च न्यायालय ने एमसीडी संचालित स्कूलों में आठ लाख छात्रों को शैक्षिक सामग्री और अन्य लाभ प्रदान करने में विफल रहने के लिए आप सरकार की आलोचना की।
- यह स्वीकार करते हुए कि अरविंद केजरीवाल के पास मुख्यमंत्री के रूप में बने रहने या इस्तीफा देने का विकल्प है, उच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि इस पद के धारक के लिए सुलभ और उपस्थित रहना आवश्यक है ।
- अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि यह सुनिश्चित करना राष्ट्रीय और सार्वजनिक हित में है कि मुख्यमंत्री लंबे समय तक या अनिश्चित अवधि के लिए अनुपस्थित या अनुपलब्ध न रहें।

PatrioticIAS